



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



2047 तक प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करें : जयंत कृष्ण

वर्धा, 11 जुलाई 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में गुरुवार, 11 जुलाई को गालिब सभागार में 'विकसित भारत की रचना में परिवर्तनकारी चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित व्याख्यान में प्रधानमंत्री कौशल विकास मिशन के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार जयंत कृष्ण ने कहा कि 2047 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए दीर्घकालीन लक्ष्य रखना होगा और इसके लिए उत्कृष्टता वाले लीडर्स तैयार करने होंगे। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लक्ष्य को साकार करने के लिए हम सभी को अपना योगदान देना चाहिए। विकसित भारत के संकल्प में आर्थिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास भी निहित है। व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील, कार्यक्रम के संयोजक जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे मंचासीन थे।



जयंत कृष्ण ने अपने सारगर्भित व्यक्तव्य में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में महात्मा गांधी द्वारा संकल्पित नई तालीम की शिक्षा पद्धति भी अंतर्भूत है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अनेक चुनौतियाँ हैं। उन्होंने विकसित भारत की अवधारणा को प्रस्तुत करते हुए विश्व में भारत में शिक्षा, रोजगार, उद्योग, तकनीकी विकास, आधारभूत सुविधाएं, प्रति व्यक्ति आय आदि के संबंध में आकड़े भी प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हमें आधारभूत परिवर्तन लाने की जरूरत है। हमें बौद्धिक सम्पदा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, अनुसंधान, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, कृषि जैसे



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को पढ़ाई के दौरान कौशल युक्त बनाने की दिशा में पाठ्यक्रमों में परिवर्तन लाना होगा। युवाओं में परंपरागत कौशल का विकास, स्टार्टअप शुरू करने, निरंतर सीखने की आदत डालने, नेटवर्क तयार करने पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। हमें हर क्षेत्र में सुधार की दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने भारतीय युवाओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए बताया कि विश्व की उत्कृष्टतम 20 कंपनी के सी.ई.ओ. भारतीय हैं। हमें भारतीय प्रतिभा को भारत के विकास में संलग्न करना होगा। उन्होंने श्रम कानून, मनरेगा योजना, छोटे उद्योग, हस्तकला, आयात-निर्यात, असंगठित क्षेत्र, महिलाओं का कार्यबल आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभागार में उपस्थित अध्यापक एवं विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम में उनकी पत्नी वीणा भी उपस्थित रही। अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने विद्वत्तापूर्ण व्याख्यान के लिए जयंत कृष्ण का आभार जताया और उन्हें पुनः आने का आमंत्रण भी दिया।

कार्यक्रम में संयोजकीय एवं स्वागत वक्तव्य जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे ने किया। कार्यक्रम का संचालन गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने किया तथा कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील ने आभार माना। कार्यक्रम का प्रारंभ कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।



मराठी :

2047 पर्यंत पंतप्रधानांचे विकसित भारताचे स्वप्न साकार करा : जयंत कृष्ण

वर्धा, 11 जुलै 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात गुरुवार, 11 जुलै रोजी गालिब सभागृहात 'विकसित भारत निर्मितीत परिवर्तनात्मक आव्हाने' या विषयावर आयोजित व्याख्यानात पंतप्रधानांच्या कौशल्य विकास अभियानाचे माजी मुख्य कार्यकारी अधिकारी आणि पंतप्रधानांचे माजी सल्लागार जयंत कृष्ण म्हणाले की पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांचे 2047 पर्यंत विकसित

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE



भारताचे स्वप्न साकार करण्यासाठी दीर्घकालीन उद्दिष्टे निश्चित करावी लागतील आणि त्यासाठी उत्कृष्ट नेते तयार करावे लागतील. ते म्हणाले की 2047 पर्यंत विकसित भारताचे स्वप्न साकार करण्यासाठी आपण सर्वांनी योगदान दिले पाहिजे. विकसित भारताच्या संकल्पनेत आर्थिक, मानसिक आणि आध्यात्मिक विकासाचाही समावेश आहे असेही ते म्हणाले. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रो. कृष्णकुमार सिंह होते. याप्रसंगी कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील, कार्यक्रमाचे संयोजक जनसंचार विभागाचे अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे मंचावर उपस्थित होते.

जयंत कृष्ण यांनी आपल्या वक्तव्यात महात्मा गांधींनी मांडलेल्या नई तालीमच्या शिक्षण पद्धतीचाही राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणात समावेश असल्याचे सांगितले. ते म्हणाले की विकसित भारताचे ध्येय गाठण्यासाठी अनेक आव्हाने आहेत. विकसित भारताची संकल्पना मांडताना त्यांनी भारतातील शिक्षण, रोजगार, उद्योग, तंत्रज्ञानाचा विकास, मूलभूत सुविधा, दरडोई उत्पन्न आदींबाबतची आकडेवारीही मांडली. ते म्हणाले की विकसित भारताचे ध्येय साध्य करण्यासाठी आपल्याला मूलभूत बदल घडवून आणण्याची गरज आहे. बौद्धिक संपदा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आरोग्यसेवा, शिक्षण, संशोधन, विज्ञान-तंत्रज्ञान, कृषी यांसारख्या क्षेत्रात गुंतवणूक वाढवण्याची गरज आहे. ते म्हणाले की विद्यार्थ्यांना शिकत असतांना कौशल्याने सुसज्ज करण्यासाठी अभ्यासक्रमात बदल करावे लागतील. तरुणांमध्ये पारंपारिक कौशल्ये विकसित करणे, स्टार्टअप सुरू करणे, सतत शिकण्याची सवय लावणे आणि नेटवर्क तयार करणे यावर अधिक लक्ष देण्याची गरज आहे. आपल्याला प्रत्येक क्षेत्रात प्रगतीच्या दिशेने वाटचाल करायची आहे. भारतीय तरुणांच्या प्रतिभेचे कौतुक करताना ते म्हणाले की, जगातील टॉप 20 कंपन्यांचे सी.ई.ओ. भारतीय आहेत. भारताच्या विकासात आपण भारतीय प्रतिभांचा सहभाग करून घेतला पाहिजे. कामगार कायदे, मनरेगा योजना, लघुउद्योग, हस्तकला, आयात-निर्यात, असंघटित क्षेत्र, महिला कर्मचारी वर्ग आदी विषयांवरही त्यांनी सविस्तर चर्चा केली. सभागृहात उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थ्यांच्या प्रश्नांची उत्तरे ही त्यांनी दिली. या कार्यक्रमात त्यांची पत्नी वीणाही उपस्थित होत्या.

अध्यक्षीय भाषणात कुलगुरू प्रो. कृष्ण कुमार सिंह यांनी जयंत कृष्ण यांच्या अभ्यासपूर्ण भाषणाबद्दल त्यांचे आभार मानले आणि त्यांना पुन्हा येण्याचे निमंत्रणही दिले. जनसंचार विभागाचे अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे यांनी स्वागत भाषण केले. कार्यक्रमाचे संचालन गांधी व शांती अध्ययन विभागाचे अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रा यांनी केले तर कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील यांनी आभार मानले. कार्यक्रमाची सुरुवात कुलगीताने झाली आणि सांगता राष्ट्रगीताने झाली. यावेळी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

नमस्कार !

मा. संपादक/संवाददाता महोदय, कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करणे का कष्ट करें।

सादर धन्यवाद ।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305